

उलंघना स.क्रि. (तद्.) किसी को लांघना, किसी रीति या परंपरा को न मानना या उल्लंघन करना।

उलंगणा अ.क्रि. (देश.) गीत गाना, कीर्ति का बखान करना, वंशक्रम का वाचन करना।

उलझन पुं. (तद्.) 1. अटकाव, फँसाव 2. गिरह, गुत्थी 3. बाधा 4. चिंता 5. सोच 6. जटिलता 7. झंझट।

उलझना अ.क्रि. (तद्.) 1. फँसना, अटकना 2. गुंथ जाना 3. कार्य में लिप्त होना 4. कठिनाई में पड़ना 5. जटिलता बढ़ जाना 6. झगड़े-झंझट में फँस जाना।

उलझा/उलरा वि. (तद्.) भेड़ का मेमना या बच्चा।

उलझाना स.क्रि. (तद्.) 1. अटकाना, फँसाना 2. लिप्त रखना 3. गुत्थियाँ डाल देना 5. टेढ़ा करना। (उलझना का प्रेर. रूप)

उलझाव पुं. (तद्.) 1. उलझने का भाव, अटकाव 2. झगड़ा 3. चक्कर, बखेड़ा 4. फेर।

उलझा-सुलझा वि. (तद्.) 1. जो कुछ अंश में उलझा हो और कुछ अंश में सुलझा भी हो 2. उलटा-सीधा या अच्छा-बुरा।

उलझेड़ा पुं. (तद्.) दुविधा, कठिनाई, उलझन, ग्रंथि या गाँठ।

उलझौहाँ वि. (तद्.) जिसकी उलझने-उलझाने की प्रवृत्ति हो, उलझाने वाला, झगड़ा करने वाला।

उलट देना स.क्रि. (तद्.) विपरीत कर देना। बदल देना, स्थिति को पलट देना।

उलटना अ.क्रि. (देश.) 1. ऊपर का भाग नीचे होना, ओंधा होना 2. पलटना 3. विपरीत दिशा या स्थिति में जाना 4. अस्त-व्यस्त होना 5. नष्ट होना स.क्रि. 1. ओंधा करना 2. एक ओर से दूसरी ओर रुख करना 3. उड़ेलना 4. पलटना।

उलटना-पलटना स.क्रि. (देश.) इधर-उधर कर देना। बदल देना।

उलट-पलट पुं. (देश.) 1. परिवर्तन 2. हेर-फेर, गड़बड़ी 3. अस्त-व्यस्तता 4. अदल-बदल।

उलट-पुलट पुं. (देश.) दे. उलट-पलट।

उलटफेर पुं. (देश.) परिवर्तन, अदल-बदल, उलट-पलट।

उलटबाँसी स्त्री. (देश.) 1. सीधा न कह कर घुमा-फिरा कर कही हुई (प्रतीकात्मक) बात 2. ऐसी कविता जिसमें सामान्य रूप से देखने पर उल्टी विपरीत कथन की बात होती हो, जैसे 'साधो, जल में मछली प्यासी' टि. कबीर की उलटवासियाँ प्रसिद्ध हैं।

उलटा वि. (देश.) 1. जो सीधा न हो, जो सही स्थिति में न हो, जिसके ऊपर का भाग नीचे और नीचे का भाग ऊपर हो, ओंधा क्रि.वि. इसके विपरीत जैसे- उलटा चोर कोतवाल को डाँटे मुहा. उलटी खोपड़ी का- मूर्ख; उलटी गंगा बहाना-रीतिके विरुद्ध करना; उलटे पाँव लौटना-तुरंत वापस आ जाना; उल्टी माला फेरना-चलन विरुद्ध काम करना; उलटीपट्टी पढ़ाना-बहकाना, गलत बात सिखाना; उलटी हवा बहाना- नियम विरुद्ध काम करना; उलटी-सीधी सुनाना- खरी-खोटी सुनाना; उलटी साँस चलना-दम उखड़ना, मरणासन्न होना।

उलटा-पलटा वि. (देश.) 1. कुछ का कुछ, क्रम विरुद्ध, बेतरतीब, बेसिरपैर का।

उलटाव पुं. (देश.) विपरीत होने का या करने का भाव, क्रिया, फेर-बदल।

उलटा-सीधा वि. (देश.) उचित-अनुचित, असंगत। जो व्यवस्थित न हो।

उलटा-सुलटा पुं. (देश.) अच्छा-बुरा।

उलटि-पलटि क्रि.वि. (देश.) पूर्ण रूप से, इधर-उधर से।

उलटी स्त्री. (देश.) 1. करवट बदलना 2. मलखंभ में कलाबाजी 3. बैठे-बैठे अंगों को मोड़ना 4. एक प्रकार का नृत्य। 5. वमन, कै। मुहा. मारना-कलाबाजी करते हुए (पानी में) कूदना।